

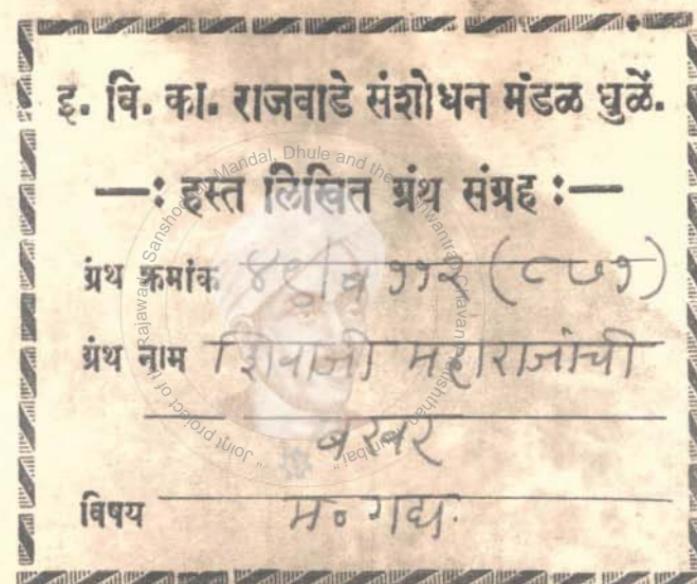
इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुक्ते.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक ४३२ व ४३३ (८८९)

ग्रंथ नाम शिवाजी महाराजांची

विषय अ. गव.



26



3

20

三

~~ପ୍ରମାଣିତ ହୁଏଇଲା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା~~  
~~କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା~~

三

~~କାହାରୁ ଦେଖିଲୁ ନାହିଁ ଏହାରୁ କାହାରୁ ଦେଖିଲୁ ନାହିଁ~~







2

संस्कृत वाचना के लिए यह संस्कृत वाचना का अध्ययन करें। यह संस्कृत वाचना का अध्ययन करें। यह संस्कृत वाचना का अध्ययन करें।



32

9













୧	ମୁଣ୍ଡାରୀକରଣରେ ପାଇଲାଗିଥାଏନ୍ତି ।	ବିଦ୍ୟାରୀକରଣରେ ପାଇଲାଗିଥାଏନ୍ତି
	<u>କାହାରେ କୁଳାଳିଥାଏନ୍ତି କାହାରେ କୁଳାଳିଥାଏନ୍ତି</u>	
	<u>ବିଜୟ</u>	<u>ବୁଝାଯାପରାପରାକାଳେ କୁଳାଳିଥାଏନ୍ତି</u>
		<u>କୁଳାଳିଥାଏନ୍ତି</u>
୧	ପାଇଲାଗିଥାଏନ୍ତି କାହାରେ କୁଳାଳିଥାଏନ୍ତି	କାହାରେ କୁଳାଳିଥାଏନ୍ତି
୧	<u>ଦାରୀକରିଥାଏନ୍ତି</u>	<u>ଦାରୀକରିଥାଏନ୍ତି</u>









## मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

---

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे  
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)  
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८  
Email ID : [rajwademandaldhule@gmail.com](mailto:rajwademandaldhule@gmail.com)